भागीरथी बाल शिक्षा स० सै० स्कूल
कक्षा - IV, विषय - हिंदी, पा० - 2 'वरदराज'

Date:
Page No.

(कहानी)

प्राचीन काल की बात है। एक बालक था - वरदराज। जब वह पाँच वर्ष का हो गया, तब उसके पिता ने उसे एक गुरु जी के आश्रम में पढ़ने के लिए भेज दिया। वरदराज एकदम मंदबुद्धि बालक था। उसकी समझ में कुछ नहीं आता था। आश्रम के सभी बालक उसे मूर्खराज व बुद्धू कहकर बुलाते थे। गुरु जी ने निराश होकर उसे आश्रम से निकाल दिया। आश्रम से चलते-चलते वह थक गया और विश्राम करने के लिए कुएँ की जगत पर गया। वहाँ उसने देखा कि कुएँ की जगत पर पानी खींचने की रस्सी की रगड़ से पत्थर पर पड्डे पड़ गए। वरदराज ने सोचा कि जब बार-बार की रगड़ से कोमल रेशों से बनी रस्सी पत्थर तक को काट सकती है, तो क्या मुझे पढ़ना-लिखना नहीं आ सकता। उसने दृढ संकल्प लिया और आश्रम की ओर वापिस चलने लगा। वरदराज ने पुनः पढ़ाई शुरू की तथा उसकी गिनती प्रतिभाशाली छात्रों में होने लगी। मूर्ख वरदराज अभ्यास के बल पर संस्कृत का प्रकांड पंडित बन गया।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) बालक का नाम क्या था?
(ख) वह बालक प्रारंभ में कैसा था?
(ग) मंदबुद्धि वरदराज आगे चलकर क्या बना?
(घ) वरदराज ने क्या देखकर गुरुजी के पास वापस लौटने का निश्चय किया?
(ङ) इस कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है?

शब्दार्थ — प्रसन्नता - खुशी, जड़मति - मूर्ख, सहपाठी - साथ पढ़ने वाला, प्राचीन - पुराना, प्रयत्न - कोशिश, परिवर्तन - बदलाव, आश्चर्य - हैरानी, विश्राम - आराम, मंदबुद्धि - कमजोर बुद्धिवाला, संकल्प - पक्का इरादा, निराश - हिम्मत हार जाना

Scanned with CamScanner

Date : / /
Page No.

पढ़िए, समझिए और लिखिए –

1. निर् + अक्षर = निरक्षर
2. निर् + बल = निर्बल
3. निर् + मल = निर्मल
4. निर् + जन = निर्जन
5. निर् + आहार = निराहार
6. निर् + धन = निर्धन

सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान में भरिए –

(पुनः, व्याकरण, मंदबुद्धि, रस्सी, विद्वान)

(क) वरदराज एकदम _____ बालक था।
(ख) वरदराज के पिताजी बड़े _____ थे।
(ग) वरदराज की पढ़ाई _____ शुरू हो गई।
(घ) _____ की रगड़ से पत्थर में गड्ढे पड़ गए।
(ङ) वरदराज ने संस्कृत के सरल _____ की रचना की।

Scanned with CamScanner

(पाठ – २) (पुस्तक कार्य)

→ पढ़िए, समझिए और लिखिए –

(1) निर् + अक्षर = निरक्षर (2) निर् + जन = निर्जन

(3) निर् + बल = निर्बल (4) निर् + आधार = निराधार

(5) निर् + मल = निर्मल (6) निर् + धन = निर्धन

→ वाक्यों में प्रयोग कीजिए –

(1) विद्या = ____________

(2) आश्रम = ____________

(3) विद्वान = ____________

(4) प्रसिद्ध = ____________

(5) अभ्यास = ____________

→ विशेषण – विशेष्य का सही मेल कीजिए –

(1) प्रतिभाशाली	कुआँ
(2) मंदबुद्धि	व्याकरण
(3) पक्का	छात्र
(4) सरल	बालक

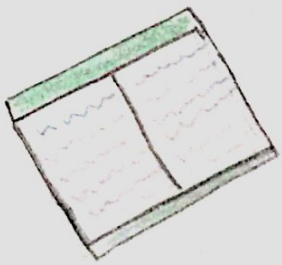

→ चित्र बनाकर रंग भरिए। इसमें आश्रम दिखाइए, एक कुआँ दिखाइए, पेड़ दिखाइए।

Scanned with CamScanner